घना पक्षी विहार के पास कब्जा की हुई जमीन से अतिक्रमण हटाये

विवादित जमीन, केवलादेव घना पक्षी विहार के इको सेंसेटिव जोन में होने के बावजूद किया गया अवैध निर्माण

भरतपुर, (निसं)। मृदुल कच्छावा जिला पुलिस अधीक्षक भरतपुर के निर्देशन में ऑपरेशन सुदर्शन चक्र के तहत भू-माफियाओं के विरूद्ध कारवाई को अंजाम दिया गया। भरतपुर शहर में जमीनी विवाद में आये दिन हो रहे फायरिंग के मामलों पर अंकुश लगाने के लिये शीशम तिराहे के नजदीक घना पक्षी विहार के बगल में एनएच-21 पर स्थित जमीन पर शेरा पहलवान व उसके अन्य साथियों द्वारा अवैध रूप से कब्जा की हुई जमीन से अतिक्रमण हटाये जाने की कारवाई की गई।

उक्त जमीन पर उपखण्ड न्यायालय से स्टे आदेश होने के बावजूद शेरा पहलवान व उसके साथियों द्वारा विवादित जमीन की चारदीवारी कर टीनशेड डालकर अनाधिकृत अवैध कब्जा कर रखा था। उक्त अवैध कब्जे को आज प्रात: 6 बजे पुलिस, प्रशासन व वन विभाग की टीम द्वारा संयुक्त रूप से कारवाई करते हुये ध्वस्त कर दिया गया। समस्त कारवाई के दौरान भूपेन्द्र शर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय भरतपुर तथा देवेन्द्र परमार उपखण्ड मजिस्ट्रेट भरतपुर एवं वन विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। मौके पर शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये नगेन्द्र सिंह वृत्ताधिकारी वृत शहर भरतपुर तथा अरूण सिंह थानाधिकारी पुलिस थाना सेवर मय क्यूआरटी तथा पुलिस लाईन भरतपुर के 50 हैड कानिस्टेबल कानिस्टेबल के जाप्ता के साथ अतिक्रमण हटाये जाने के दौरान उपस्थित रहे।

पुलिस तथा प्रशासन एवं वन विभाग के अधिकारियों ने अतिक्रमण को ध्वस्त कराया।

- शेरा पहलवान व उसके साथियों ने कर रखा था जमीन पर अनाधिकृत अवैध कब्जा
- भू-माफियाओं के खिलाफ भरतपुर पुलिस द्वारा भविष्य में अपनाई जावेगी जीरो टोलरेंस की नीति

नर्सेज कर्मियों ने प्रदर्शन कर कार्य बहिष्कार किया

जिला अस्पताल में दो घंटे वार्डों में व्यवस्था चरमराई

मांगों को लेकर राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले विरोध-प्रदर्शन किया।

चूरू, (कासं)। पिछले 15 दिनों से 11 सूत्री मांगों को लेकर राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले राजकीय भरतिया अस्पताल में प्रदर्शन कर रहे नर्सिंगकर्मियों ने मंगलवार को दो घंटे का कार्य बहिष्कार कर विरोध-प्रदर्शन किया। इस कारण जिला अस्पताल में दो घंटे वार्डों में व्यवस्था चरमरा गई। हालांकि आपातकालीन वार्ड में सेवाएं शुरू रही।

राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के जिला संयोजक प्रदीप चौधरी ने बताया कि वेतन विसंगति और ग्रेड पे बढाने सहित 11 सूत्री मांगों को लेकर राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के आव्हान पर 18 जुलाई से नर्सिंगकर्मी

- वेतन विसंगति और ग्रेड पे बढ़ाने सहित 11 सूत्री मांगें

जिला अस्पताल में शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने उनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया, जिसके बाद मजबूरन उन्हें कार्य बहिष्कार का रास्ता अपनाना पड़ा। चौधरी ने कहा कि अगर फिर भी राज्य सरकार उनकी मांगें नहीं मानती तो प्रदेशभर के नर्सिंगकर्मी जयपुर में डेराडालकर प्रदर्शन करेंगे। जिलाध्यक्ष सुमेर सिहाग ने प्रदर्शन की आगामी रणनीति के बारे में पदाधिकारियों से चर्चा की। सिहाग ने बताया कि अगर सरकार ने नर्सेज की मांगों को नहीं माना तो आगामी 16 अगस्त तक लगातार दो घंटे का कार्य बहिष्कार किया जायेगा।

इस अवसर पर प्रदर्शन करने वालों में पुरुषोत्तम सुंडा, हीरालाल सुथार, सुनील गढ़वाल, अनीता, पिंटू, मामराज ईषराण, नरेश खीचड़, नरेश मीणा, विनोद माहिच, महेंद्र भाम्बू, धर्मेंद्र सिहाग, संतोष बलाई, रोशनी कस्वां, फतेहचंद सैनी, रीना डूडी, सरिता, प्रमिला, विनोद, सरोज, मनेष, सुमन, चंद्रकला, सीटू कस्वां, चंचल, प्रियंका, धनेष, पूनम, दीपा, गीता चौधरी, सुभाष, मंजू, सुनीता, ताराचंद, संदीप सिंह, सत्रे सिंह, सुप्यार, रजनी सहित बड़ी संख्या में नर्सिंग कर्मी उपस्थित थे।

छह फीट लम्बा अजगर को देख परिवार के उड़े होश

रेस्क्यू को पहुंची वन विभाग की टीम खाली हाथ लौटी

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय के सेडुलाई कॉलोनी में सरकारी अध्यापक एवं स्काउट गाइड संघ के सचिव श्रीकांत शर्मा के मकान के अंदर करीब छह फीट लंबा विशालकाय अजगर देखकर परिवारजनों के होश उड़ गए। अध्यापक शर्मा ने बताया कि विगत शाम के समय उनकी पत्नी बच्चे आदि घर में टहल रहे थे।

इसी दौरान बाडे की तरफ पहुंची उनकी पत्नी को अचानक एक विशालकाय सांप नजर आया। इसकी सूचना उनकी पत्नी द्वारा उनको दी गई। इसके बाद उनकी पत्नी द्वारा बाड़े का दरवाजा बंद कर खुद को सुरक्षित जगह पर खड़ा कर लिया गया। इस मामले को लेकर उनके द्वारा सारे घटनाक्रम की जानकारी वन विभाग को दी गई। इसके बाद मौके पर पहुंचे रेंजर जगदीश मीणा के नेतृत्व में कर्मियों द्वारा मोबाइल में खींची हुई फोटो को देखा तो अजगर सांप होने की पुष्टि की गई। मौके पर पहुंचे वन विभाग की टीम को दंपत्ति द्वारा बताया गया कि वह सांप पास ही एक कच्ची दीवार को लांघ कर खेत में घुस गया है।

वहीं मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम द्वारा संभावित किसी अन्य खतरे को भांपते हुए अजगर सांप को रेस्क्यू करने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया गया। काफी देर चलाए गए अभियान के दौरान अजगर सांप कहीं नजर नहीं आया। वहीं वन विभाग की रेस्क्यू टीम खाली हाथ वापस लौट गई। वहीं क्षेत्र के प्रमुख प्राणी विज्ञान रामगढ़ पचवारा कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य सुभाष पहाड़िया ने बताया कि बारिश का मौसम होने के कारण जिस जगह अजगर सांप द्वारा सुरक्षित शरण ली गई होगी संभवत पानी भरने के कारण अजगर सांप सुरक्षित स्थान की तलाश में एवं भूखा होने एवं अगर मादा अजगर हुआ तो फोटो में दिखने के हिसाब से संभवत या प्रसव पीड़ा केके चलते या शिकार की तलाश में इधर-उधर भटक रहा होगा। वन विभाग के अधिकारियों द्वारा उपस्थित लोगों एवं जिस घर में अजगर सांप निकला था परिवार के लोगों को निगरानी बरतने के लिए कहते हुए ऐसे वन्यजीवों से दूरी बनाए रखने एवं देखने पर तत्काल वन प्रशासन को सूचना देने की बात कही गई।

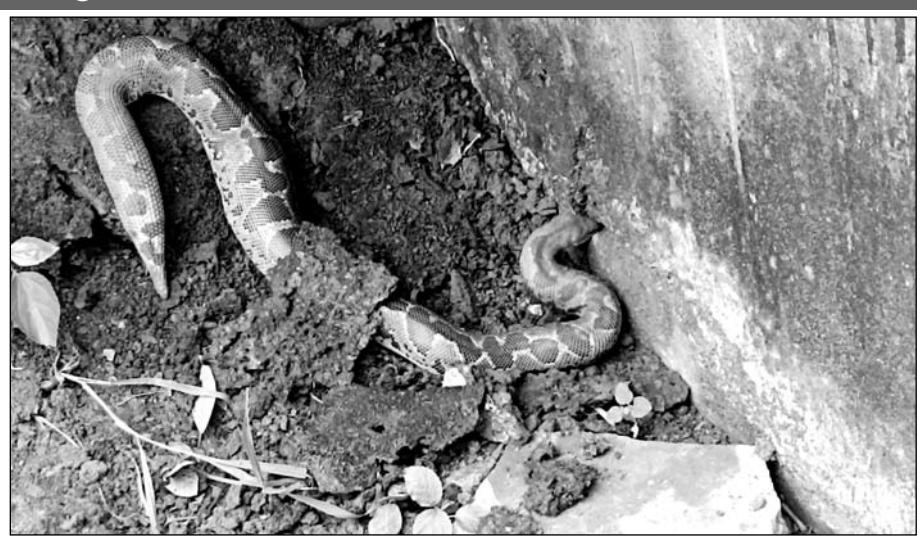

सेडुलाई कॉलोनी के एक घर में निकला विशालकाय 6 फीट लंबा अजगर।

हत्या का आरोपी रिमांड पर

सुजानगढ़, (निसं)। राजेश सांखला हत्याकांड के आरोपी हैदर तेली को रतनगढ़ न्यायालय में पेश किया गया। जहां से आरोपी को दो दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपे जाने के आदेश दिए गए। सीआई मुकुट बिहारी ने बताया कि राजेश सांखला हत्याकांड के आरोप हैदर तेली को रतनगढ़ न्यायालय में पेश कर दो दिन का रिमांड लिया गया है। रिमांड अवधि में आरोपी से हत्या में काम लिए हथियार एवं मृतक के मोबाइल की बरामदगी करने के साथ ही विभिन्न पहलुओं पर बारीकी से जांच की जायेगी तथा अन्य की संलिप्तता के बारे में भी गहनता से पूछताछ की जायेगी। ज्ञात रहे कि उधार लिए गए तीस हजार रूपये के तकादे से परेशान होकर हैदर ने फावडे की डंडे के वार से राजेश की हत्या कर दी थी।

मां-बेटी के शवों का तीसरे दिन पोस्टमार्टम हुआ

जोधपुर, (कासं)। शहर के सैन्य क्षेत्र हमीदाबाग में रविवार की अलसुबह संदिग्ध हालात में सैन्य क्वार्टर में मां बेटी की मौत हो गई थी। उनके अधजले शव पलंग पर पड़े हुए थे। घटना के तीसरे दिन मंगलवार को परिजन के जोधपुर पहुंचने पर शवों का मिलिट्री अस्पताल में मेडिकल बोर्ड गठित कर पोस्टमार्टम प्रक्रिया आरंभ की गई। मृतका की बड़ी बहन आई है साथ ही उसके पति के घरवालें अस्पताल पहुंचे हैं। सूबेदार ने मां बेटी के शवों को प्रथम दृष्टया देखा तब उनके मुंह से झाग निकल रहे थे। ऐसे में दोनों की मौत पर संदेह गहरा गया और सूबेदार की तरफ से जहर देकर मारने की आशंका जताते हुए रिपोर्ट दी गई थी। फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम से ही हो पाएगा। जानकारी के अनुसार गत रविवार की अलसुबह सेना में जवान व नायक के पद पर पदस्थ रामप्रसाद की पत्नी रूक्मीना उम्र 25 साल और मासूम बेटी रिद्धिमा उम्र 2 साल अधजली हालत में मिले थे।

कुएं में गिरने से किसान की मौत

मालपुरा, (निसं)। लाम्बाहरिसिंह कस्बा निवासी एक किसान की मंगलवार को कृषि कार्य के दौरान कुएं में गिरने से मौत हो गई। थाना पुलिस एएसआई रामस्वरूप खिंची ने बताया कि मंगलवार की दोपहर को रामसहाय खटीक अपने खेत पर कृषि कार्य कर रहा था। कुएं की मुंडेर के पास कार्य करने के दौरान असंतुलित हो कुएं में गिर जाने से मौत हो गई। पास ही खेत में कार्य कर रही मृतक की पत्नी के चिल्लाने की आवाज सुन पहुंचे ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर शव को कुएं से बाहर निकाला।

साधु ने बालिकाओं के अपहरण का प्रयास किया

नैनवां, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 148 डी खानपुरा के पास साधु वेशधारी कुछ लोगों द्वारा विद्यालय से घर जा रही बालिकाओं को केलों (फल) का प्रलोभन देकर अपहरण करने का प्रयास किया। सतर्क युवक मनीष नागर व ग्रामीणों के द्वारा अपहरण के प्रयास को विफल किया। घटना की सूचना पर नैनवां थाना पुलिस को दी।

सूचना के आधे घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची। बच्चियों व लोगों ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 148 डी पर

- सतर्क युवक मनीष नागर व ग्रामीणों द्वारा अपहरण के प्रयास को विफल किया

साधु वेशधारी कुछ लोगों ने विद्यालय से घर जा रही बालिकाओं को केले का प्रलोभन देकर लाल कलर की गाड़ी में अपहरण करने का प्रयास किया। साधु वेशधारी अपहरणकर्ताओं की इन हरकतों को देखकर मनीष नागर सहित कुछ ग्रामीणों ने पूछताछ शुरू की तो अपहरणकर्ता हिंडोली की तरफ फरार हो गए। क्षेत्र में लगातार बढ रही आपराधिक घटनाओं के चलते आमजन में भय का माहौल है जैसा कि विदित है कि अभी 15 दिन पूर्व एक लड़की का इसी राष्ट्रीय राजमार्ग 148 डी पर से अपहरण हुआ था जिसकी रिपोर्ट परिजनों द्वारा थाने में दी गई मगर कार्यवाही ना होने पर पीडित पिता ने एक बार फिर नैनवा एसडीएम से न्याय की गुहार लगाई।

क्षेत्र में लगातार घट रही बड़ी आपराधिक घटनाओं का खुलासा न होने व पुलिस प्रशासन के लगातार विफल रहने के चलते अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद है। जिसके चलते एक बार फिर स्कूली बच्चियों के अपहरण करने का प्रयास करने का मामला सामने आया। जैसा कि लोगों बताया कि अब तक क्षेत्र में घटित कई बड़ी आपराधिक घटनाएं पुलिस के लिए अनसुलझी पहेली बनी हुई है। बालिका के परिजन बाबूलाल ने नैनवा थाने में रिपोर्ट देकर अपहरणकर्ताओं के खिलाफ कार्यवाही की मांग की।

नीलामी पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

चाकसू, (निसं)। कस्बे में नगरपालिका की ओर से आईडीएसएमटी कॉलोनी में गैर मुमकिन पाल एवं राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा अब्दुल रहमान प्रकरण में इस प्रकार की विक्रय, आवंटन नियम आदि से प्रतिबंधित होने के बावजूद प्रशासन द्वारा आवासीय स्कीम काटने के मामले को लेकर 12 जुलाई 2023 को जिला कलेक्टर द्वितीय के स्टे के आदेश के बाद राजस्थान हाईकोर्ट ने आईडीएसएमटी स्कीम के तहत चाकसू नगर पालिका की ओर से मंदोकरा तालाब की पाल के पास करीब पन्द्रह रिहायशी भूखंडों की नीलामी की प्रक्रिया को याचिका के निर्णय के अधीन रखा है। यह नीलामी बुधवार को होनी है। न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव व प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने राधेश्याम सैनी की जनहित याचिका पर इस मामले में स्वायत्त शासन सचिव, नगर पालिका ईओ व चाकसू एसडीओ से जवाब भी मांगा है।

प्रार्थीपक्ष की ओर से अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने कोर्ट से कहा कि नगर पालिका आईडीएसएमटी स्कीम के तहत रिहायशी भूखंडों की नीलामी कर रही है, लेकिन यह जमीन मंदोकरा तालाब की पाल पर है। ऐसे में बारिश के कारण तालाब टूटने पर इस क्षेत्र में जलभराव से जनहानि की आशंका है। इस परिस्थिति में भूखंडों की नीलामी की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए। वहीं उपरोक्त तालाब की पाल के पास काबिज किसान बाबूलाल सैनी, प्रहलाद सैनी एवं प्रभु सैनी ने बताया कि तालाब के पास और पाल के लगवा हमारी काश्तकारी भूमि है जिस पर हमारे परिवार खेती किसानी कर कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं। तालाब ओवरफ्लो हो जाने के बाद खेती किसानी, साधनों को लाने ले जाने और आने जाने के रूप में यहां काबिज किसान परिवार उपरोक्त पाल का जन्म से उपयोग करते आ रहे हैं।

घायल युवक की मौत

बीदासर, (निसं)। कस्बे के सीकर-नोखा मार्ग स्टेट हाईवे पर 28 जुलाई को मोटरसाईकिल के सामने गाय आने से उसको बचाने के चक्कर में बाईक फिसल जाने से घायल हुए 24 वर्षीय बैरासर निवासी राधेश्याम की ईलाज के दौरान बीकानेर में मौत हो गई।

पुलिस सुत्रों के अनुसार बैरासर निवासी मृतक के चाचा आशुदास स्वामी ने पुलिस को लिखित रिपोर्ट दी कि मेरा भतीजा राधेश्याम 28 जुलाई को सरदारशहर से अपने गाँव बैरासर आ रहा था। रात्रि में 10 बजे के लगभग ढोली कृषि फार्म हाऊस ढिगारीया के पास अचानक मोटर साईकिल के आगे गाय आ गई। गाय को बचाने के चक्कर में मोटर साईकिल फिसल गई। जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया।

घायल अवस्था में साण्डवा के सरकारी अस्पताल ले गये जहाँ चिकित्सा ने प्राथमिक उपचार कर गम्भीर हालत को देखते हुये बीकानेर रेफर कर दिया। जहाँ राधेश्याम की ईलाज के दौरान मृत्यु हो गई। पुलिस ने मृतक के चाचा आशुदास की रिपोर्ट पर मरग का मामला दर्ज मृतक के शव का बीकानेर पीबीएम अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

दो पक्षों में पथराव और फायरिंग

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर शहर के कोतवाली थाना इलाके की आशियाना कॉलोनी में सोमवार रात को दो पक्षों में झगड़ा हो गया। जिसमें पथराव और फायरिंग भी की गई। जिससे लोगों में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। लेकिन तब तक आरोपी मौके से भाग गए।

वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी मनोज कुमार भी रात को ही मौके पर पहुंच गए और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली तथा संदिग्ध लोगों के ठिकानों पर छापामार कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार करने के पुलिस अधिकारी को निर्देश दिए।

कॉलोनी वासियों से पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में प्रथम दृष्टया झगड़े का कारण कोई पुराना जमीनी विवाद बताया जा रहा है। जिसकी वजह से दो पक्ष रात को आमने सामने हो गए। जिनमें पहले दोनों और से जमकर पथराव हुआ और बाद में फायरिंग करने की भी बात सामने आ रही है।

एसपी मनोज कुमार ने बताया कि आशियाना कॉलोनी में जैसे ही झगड़े की सूचना मिली तो कोतवाली थाना पुलिस मय पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंची। इसके साथ ही डिप्टी एसपी मनिया सहित डीएसटी टीम और बड़ी संख्या में पुलिस बल भी मौके पर पहुंच गया। पुलिस झगड़ा करने वालों की तलाश कर रही है। इसके अलावा मौके पर लोगों से पूछताछ कर इस पूरे घटनाक्रम में शामिल लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

वहीं घटना को लेकर आशियाना कॉलोनी धौलपुर निवासी इस्लाम ने गब्बर और पाल सिंह के खिलाफ मारपीट तथा फायरिंग करने का मुकदमा कोतवाली थाने में दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सुजला जिला बनाने की मांग, 122 वें दिन भी धरना जारी

जिला नहीं बनाने पर वोट की चोट देने की चेतावनी

सुजानगढ़, (निसं)। सुजला जिला बनाने की मांग के समर्थन में लगातार 122 वें दिन गांधी चौक में धरना जारी रहा। सुजला महासत्याग्रह द्वारा दिए जा रहे धरने पर मंगलवार को संयोजक श्रीराम भामा ने कहा कि सुजला जिला नहीं बनाने पर क्षेत्र की जनता द्वारा वोट की चोट दी जायेगी।

भंवरलाल गिलाण ने कहा कि जनभावना के अनुरूप कार्य नहीं करने पर लोकतंत्र में जनता नेताओं को अर्श से फर्श पर ला देती है। इस दौरान यूसुफ गौरी, भगवती प्रसाद सोनी, रामनिवास भाट जसवंतगढ़ ने ढोल नगाडों के साथ सुजला जिला बनाना होगा के नारे बुलन्द किये।

धरने का नेतृत्व मनोज सोनी व हाजी हाकम अली खां द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजकुमार सैन, मंगतू अली घोसी, गोविंद जोशी, मोहमद अकरम, जितेंद्र सैनी, मोहित प्रजापत, मनोज प्रसाद रेगर, रूपाराम सांसी, दीनदयाल नाई, अब्दुल वकास गौरी, अब्दुल वाहिद बेहलिम, आदिल, किशोर सिंधी, रमेश कुमार, अब्दुल सहित बडी संख्या में धरनार्थी उपस्थित रहे।

सुजानगढ़ जिले की मांग के समर्थन में प्रदर्शन करते हुए धरनार्थी।

सोनार दुर्ग में अधुरा रह गया झूलते तार का समाधान

दुर्ग में अंडर ग्राउंड केबल का कार्य विद्युत विभाग द्वारा आज तक नहीं करवाया गया

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर शहर के पर्यटन स्थल भ्रमण करने और कैमरे में कैद करने अनगिनित देसी और विदेशी सैलानी प्रति वर्ष आते हैं परंतु खुले बिजली के तार होने से फोटोग्राफी में भारी परेशानी देखनी पड़ती है। वर्ष 2011 में तत्कालीन जिला कलेक्टर गिरीराजसिंह कुशवाह द्वारा विश्व विख्यात पटुआ हवेली, नथमल हवेली और सोनार दुर्ग में अंडर ग्राउंड केबल का कार्य करवाने का विद्युत विभाग को निर्देश दिए। कुशवाह के कार्यकाल में विश्व विख्यात पटुआ हवेली, नथमल हवेली में अंडरग्राउंड केबल का कार्य पूर्ण हो गया। कुशवाह का तबादला सवाईमाधोपुर हो जाने के पश्चात सोनार दुर्ग में अंडर ग्राउंड केबल का कार्य विद्युत विभाग द्वारा आज तक नहीं करवाया गया। झूलते तार बीच में आने के कारण सैलानियों को फोटोग्राफी में भारी परेशानी आ रही है।

हर साल लाखों की संख्या में सैलानी स्वर्णनगरी घूमने आते है। जिसमें उनके लिए सबसे प्रमुख पर्यटन स्थल सोनार दुर्ग है, जो विश्व का एकमात्र लिविंग फोर्ट है। लेकिन इसके बावजूद सरकारी विभाग सोनार दुर्ग को पूरी तरह से अनदेखा करते हैं। 2011में सोनार दुर्ग को बिजली की तारों से मुक्त करने के लिए अंडरग्राउंड केबलिंग का काम भी शुरू हुआ था। लेकिन जिला कलेक्टर कुशवाह का तबादला सवाईमाधोपुर हो जाने के पश्चात सोनार दुर्ग अंडर ग्राउंड योजना ठंडे बस्ते में चली गई। जिससे आज भी लोग जूझ रहे है। यहां भ्रमण पर आने वाले सैलानी सोनार दुर्ग, पटवा हवेली और नथमल हवेली को आराम से निहार सके। इसके लिए कुशवाह द्वारा अंडर ग्रांउड केबलिंग का काम शुरू करवाया गया था। पटवा हवेली और नथमल हवेली में तो यह काम हो गया। लेकिन सोनार दुर्ग में पाइप डालने के बावजूद अंडरग्राउंड केबलिंग नहीं हो सकी। जिससे आज भी दुर्गवासी झूलती तारों के संकट से जूझ रहे हैं।

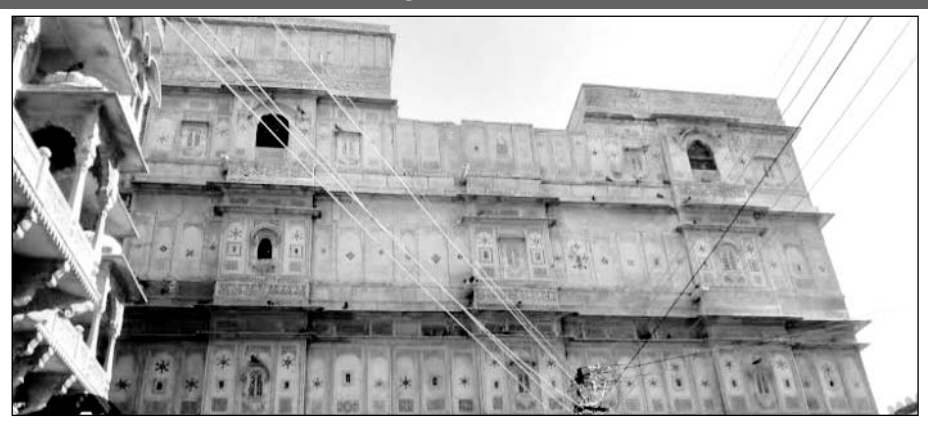

विश्वविख्यात सोनार दुर्ग में तारों का जंजाल।

- सोनार दुर्ग को देखने के लिए हर साल लाखों की संख्या में सैलानी जैसलमेर पहुंचते हैं

पटवा हवेली और नथमल हवेली के आस पास तो अंडरग्राउंड केबल बिछा दी गई। लेकिन दुर्ग का उस समय से अटका हुआ काम आज भी अटका हुआ ही है। सोनार दुर्ग के रहवासी रोज करंट के डर से सामना करते हुए अपना जीवन बसर कर रहे है। लेकिन डिस्कॉम व नगर परिषद के अधिकारियों को इससे कोई सरोकार नहीं है। शहर में सबसे तंग गलिया सोनार दुर्ग में है। जिससे झूलती तारों से कभी भी हादसा हो सकता है लेकिन दुर्गवासियों की इस समस्या से जिले के किसी भी अधिकारी को कोई सरोकार नहीं है। जबकि सोनार दुर्ग को देखने के लिए हर साल लाखों की संख्या में सैलानी जैसलमेर पहुंचते है।